गुजरात में विशेष रूप से सौराष्ट्र क्षेत्र में कम वर्षा और प्रतिकूल मौसम परिस्थितियां हैं।

(घ) मूंगफली सहित तिलहनों के उत्पादन में वृद्धि करने के उद्देश्य से, 1990–91 से एक केन्द्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय तिलहन उत्पादन कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है। राज सहायता के रूप में किसानों को सहायता देने के लिए योजना के प्रमुख घटक हैं :–प्रजनक बीजों की खरीद और आधारी बीजों का उत्पादन, प्रमाणित बीजों का वितरण, आदान किटों का वितरण, अवसंरचना का विकास, मूंगफली और सोयाबीन की फसलों पर "राइजोबियन कल्चर" और सूक्ष्म पोषक तत्वों का वितरण। किसानों को प्रौद्योगिकी का अन्तरण करने के उद्देश्य से, फील्ड फ्रंट लाईन प्रदर्शन और खण्ड प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के तहत घटक के रूप में किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

Gena from Amerthens Plant to be Patented

546. SHRI CHIMANBHAI MEHTA :

SHRI P. UPENDRA :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state : whether Gena isolated from Amerthens plant by Dr. Ashis Dutt of J.N.U. is going to be patented on International Level ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : Genas have been isolated from Amerthens plants by Dr. Ashis Dutt of J.N.U. An application for international Patents has been filed with the concerned authorities.

International competition in Marketing Agro Products

547. SHRI SATISH PRADHAN : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether as a sequel to signing of GATT Agreement, the Indian farmers are likely to face stiff international competition in marketing agro products ;

(b) whether it is a fact that Indian Agriculturists are already suffering due to environmental hazards resulting in substandard production ;

(c) what steps Government proposes to take in overcoming the situation ; and

(d) whether Government propose to make changes in Curriculam in Agricultural Universities to countermand the situation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) No, Sir.

(b) and (c) The use of chemical fertilizers and chemical pesticides is quite low in our country as compared to the developed countries. We are also promoting the use of bio-fertilizer and non-chemical means of controlling pests and diseases which are environment friendly.

(d) Does not arise.

कृषि क्षेत्र में अनुसंधान कार्य

548. श्री राम जेठमलानी : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार देश के कृषि क्षेत्र में अनुसंधान कार्य की पर्याप्त व्यवस्था कर पाने में विफल हो गई है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान अर्थात् वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 में केन्द्रीय बजट में कृषि के विकास के लिए आवंटित की गई राशि का कितना प्रतिशत अनुसंधान कार्य करने के लिए विनिर्धारित किया गया था ;

(घ) क्या यह भी सच है कि प्रति-वर्ष आवंटित राशि को भी वास्तव में खर्च नहीं किया जा सका ;

(ङ) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान वर्षवार कितनी-कितनी धनराशि खर्च की गई; और

(च) गत तीन वर्ष के दौरान असिंचित भूमि को ओजत पैदावार बढ़ाने के लिए कौन-कौन से सफल परीक्षण किए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एल० राम कुमार) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) और (ङ) ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिये)

(च) बारानी खेती में अनुसंधान, केन्द्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (सी.आर.आई.डी.ए.) हैदराबाद द्वारा किया जा रहा है और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा राज्य कृषि विश्व-विद्यालयों में 22 केन्द्रों (नेटवर्क) को शुष्क भूमि कृषि पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजना के तहत स्वीकृत किया गया है।

अनुसंधान कार्यक्रमों में सूखे के प्रभावों को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने, बारानी खेतों के लिए फसल की उपयुक्त किस्मों को पहचान करने और वैकल्पिक कृषि प्रणाली विकसित करने एवं महत्वपूर्ण जल संभर क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुसंधान करने के साथ-साथ बीज उगाने के कारगर उपायों के विकास पर जोर दिया गया है। इन प्रयासों के फलस्वरूप बारानी क्षेत्रों में उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए स्थान विशिष्ट प्रक्रियाओं की पहचान की गई है।

विवरण

केन्द्रीय बजट में कृषि विकास और अनुसंधान के लिए आवंटित राशि का ब्यौरा

(रुपए करोड़ में)

क्र० सं०	वर्ष	आवंटित राशि		
		कृषि मंत्रालय	कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग/ भा.कृ.अ.प.	अनुसंधान के लिए आवंटित प्रतिशत
1.	1991-92	3502.57	351.81	10.04
2.	1992-93	3589.77	374.40	10.43
3.	1993-94	3017.03	459.80	15.24

(घ) व्यय आवंटन से कम था क्योंकि आठवीं योजना/नई योजनाओं/ प्रायोजनाओं को मंजूरी में कुछ समय लगा था। फिर भी वर्ष 1991-92 और 1993-94 के बीच खर्च में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

(ङ) कृषि अनुसंधान पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा

(रुपए करोड़ में)

क्र. सं०	वर्ष	खर्च हुई राशि
1.	1991–92	325.22
2.	1992–93	264.60
3.	1993–94	451.18

Representation from Tobacco Farmers Union

549. SHRI YERRA NARAYANA SWAMY : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government has received any representation from Tobacco Farmers Union based in West Godavari District of Andhra Pradesh ;

(b) if so, the details of the representation ; and

(c) the steps being taken to protect their interests ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) Yes, Sir. Tobacco Board under Ministry of Commerce has received representation.

(b) Virginia Tobacco Growers Union (NLS Area) Jangareddy Gudem, West Godavari District of Andhra Pradesh in their representation dated 5-7-94 have submitted the following points to the Tobacco Board.

(i) To commence auctions in Andhra Pradesh either from end of January or first week of February regardless of completion of auctions in Karnataka state keeping in view of difficulties of tobacco farmers of Andhra Pradesh for the coming auction season.

(ii) To supply chemical fertilisers through Tobacco Board to the Tobacco Farmers ; and

(iii) To authorise only a quota of 25 quintals per barn in Northern Light Soils (NLS) area.

(c) Steps are taken to protect the interest of Tobacco growers inter alia includes, fixation of size of tobacco crop, supply of input and quota authorisation per barn considering the demand for exports and domestic consumption.

Area under corporate farming

550. SHRI NILOTPAL BASU: SHRI MD. SALIM :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) what is the total area cultivated in the country during the last three years, year-wise ;

(b) what is the area under corporate farming during the corresponding periods of time ;

(c) what was the modality with which such lands came under corporate control ; and

(d) whether the corporate sector considered sustainability parameters in the agricultural methods adopted by them ?